प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय,राज्य कैबिनेट की बैठक में दो दर्जन प्रस्तावों पर हुई चर्चा



चम्पावत/देहरादून,(वीअ)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार को एन.एच.पी.सी. बनबसा चम्पावत में राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित की गई, बैठक में दो दर्जन प्रस्तावों पर चर्चा की गई। मंत्रिमण्डल की बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया। मंत्रिमण्डल ने वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों के तकनीकी परीक्षण, ऑनलाइन संरेखण के परीक्षण तथा नोडल कार्यालय को सुदृढ़ करने के लिए नोडल अधिकारी, वन सरक्षण, उत्तराखण्ड के कार्यालय में परियोजना प्रबंधन इकाई के गठन तथा इसके लिए 06 पदों की स्वीकृति प्रदान की।

मंत्रिमंडल ने वर्ग-3 एवं वर्ग-4 की भूमि के पट्टेदारों कब्जाधारकों को भूमिधरी अधिकार प्रदान करने, जनपद नैनीताल के नगर पंचायत ज्योलीकोट में संबंधित पट्टेदारों, कब्जाधारकों को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार प्रदान करने तथा जनपद देहरादून के परगना जौनसार-बावर में वर्ग-4 की भूमि के विनियमितीकरण संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी। संबंधित भूमि का विनियमितीकरण वर्ष 2004 के सर्किल रेट के आधार पर एक वर्ष के लिए विस्तारित किया जाएगा तथा इसके बाद प्रचलित सर्किल रेट के अनुसार किया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पंतनगर के विस्तारीकरण हेतु हस्तांतरित परिसंपत्तियों के संबंध में उत्तराखण्ड सीड्स एण्ड तराई डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को 66.2916 करोड़ की अवशेष धनराशि अवमुक्त किए जाने को मंजूरी दी। यह धनराशि कॉरपोरेशन की कार्ययोजना के अनुसार नवनिर्माण एवं अन्य निर्धारित कार्यों पर व्यय की जाएगी। मंत्रिमंडल ने स्टाम्प एवं निबन्धन विभागन्तर्गत संपत्ति के क्रय-विक्रय से संबंधित लेन-देन में क्रेता-विक्रेता एवं अन्य संबंधित पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए च.छ के सत्यापन (च.छ टमतपपिबंजपवद) की व्यवस्था लागू किए जाने को मंजूरी दी। इससे गलत अथवा फर्जी च.छ के उपयोग में कमी लाने तथा आयकर विभाग को की जाने वाली रिपोर्टिंग में डेटा की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

मंत्रिमंडल ने उत्तराखण्ड राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी। संशोधित प्रावधानों के तहत 01 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 तक वार्षिक राजकोषीय घाटे की सीमा ळैक्च् के 3 प्रतिशत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल संचयी ऋण की अधिकतम सीमा ळैक्च् के 30 प्रतिशत निर्धारित की गई है। आपदा एवं सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में निर्धारित सीमा से अधिक घाटे के लिए नियमानुसार छूट का प्रावधान रहेगा। मंत्रिमंडल ने वन विभाग के विभागाध्यक्ष संबंधी व्यवस्था में संशोधन को मंजूरी दी। इसके तहत निदेशक, नंदा देवी बायोस्फियर रिजर्व को विभागाध्यक्ष की सूची से हटाते हुए मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ, उत्तराखण्ड, नैनीताल एवं मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल, उत्तराखण्ड, पौड़ी को विभागाध्यक्ष घोषित किया जाएगा। इससे वनाग्नि, दैवीय आपदा, बाढ़ नियंत्रण एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी तात्कालिक परिस्थितियों में कार्यवाही में तेजी आएगी। मंत्रिमंडल ने छठवें राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों के संबंध में प्रस्तुत प्रतिवेदन को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने को मंजूरी दी। आयोग ने वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए राज्य के शुद्ध कर राजस्व से स्थानीय निकायों को किए जाने वाले अंतरण तथा वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं के संबंध में संस्तुतियां प्रस्तुत की हैं। मंत्रिमंडल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 19 की उपधारा (3) के प्रावधानों को लागू करने हेतु अधिसूचना जारी किए जाने को मंजूरी दी।

3 वीर अर्जुन,देहरादून ,5अक्टूबर, 2026

हरिद्वार को मिली तीन महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की सौगात

देहरादून, (वीअ)। उत्तराखण्ड में रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेलवे मंत्रालय ने बांद्रा टर्मिनसदृदिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ एक्सप्रेस का हरिद्वार तक विस्तार करने के साथ ही हरिद्वार-वेरावल एसी एक्सप्रेस और हरिद्वार-ओखा एसी एक्सप्रेस के संचालन को स्वीकृति प्रदान की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र के माध्यम से ये जानकारी दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है।

एडी/दस्ती/संलग्नता/बीट ऑफ क्रम
समाचारपत्र प्रकाशन/सभी अनुमेय माध्यम द्वारा

कार्यालय वसूली अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण–1, दिल्ली,
चौथी मंजिल, ज़ीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

बिक्री की उद्घोषणा

टी.आर.सी. नं. 1404/2022 फीनिक्स एआरसी लि. बनाम मैसर्स सिस्टम प्रोटेक्शंस

आयकर अधिनियम, 1961 की दूसरी अनुसूची के नियम 38, 52(2) के साथ पठित बैंक और वित्तीय संस्थान अधिनियम, 1993 के बकाया ऋणों की वसूली के तहत बिक्री की उद्घोषणा

(सीडी 1) मैसर्स सिस्टम प्रोटेक्शंस (एक साझेदारी फर्म), एफ–7ए , न्यू पालम विहार, गुरुग्राम–122017 (हरियाणा)

इसके साथः 9, हसनपुर, आई. पी. एक्सटेंशन, दिल्ली–110092

(सीडी 2) अरुण कुमार वर्मा, पार्टनर–मैसर्स सिस्टम प्रोटेक्शंस, ई–702, प्रिंस अपार्टमेंट्स, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली–110092 (सीडी 3) कुलदीप भट्ट, पार्टनर–मैसर्स सिस्टम प्रोटेक्शंस, ए–18, आर्य नगर अपार्टमेंट्स, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली–110092

(सीडी 4) ज्योति वर्मा पत्नी अरुण कुमार वर्मा, ई–702, प्रिंस अपार्टमेंट्स, आई. पी. एक्सटेंशन, दिल्ली–110092

(सीडी 5) अंजलि भट्ट पत्नी कुलदीप भट्ट, ए–18, आर्य नगर अपार्टमेंट, आई. पी. एक्सटेंशन, दिल्ली–110092

1. जबकि ओए नं. 55/2017 में हस्तांतरण वसूली प्रमाणपत्र सं. 55/2017 दिनांक 22.02.2019 में पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, दिल्ली द्वारा रु. 2,69,57,327.45.00 की राशि के साथ ओए दाखिल करने की तिथि अर्थात् 21.12.2016 से इसकी वसूली तक 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष साधारण ब्याज की दर से प्रमाणपत्र देनदारों के पास लागत वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार लागत और शुल्क बकाया है।

2. और जबकि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि में नीचे अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।

3. और जबकि एतद्वारा सूचित किया जाता है कि रु. 2,69,57,327.45.00 की राशि के तहत लागत और भविष्य के ब्याज 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष होगा जो ओए दाखिल करने की तारीख से अर्थात् 21.12.2016 से लेकर इसकी वसूली तक लागत के साथ स्थगन के किसी भी आदेश के अभाव में, संपत्ति/संपत्तियां निम्नानुसार ई–नीलामी द्वारा बेची जाएंगी और बोली 'ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक बोली के माध्यम से वेबसाइट http://www.bankeauctions.com पर दोप. 12.00 बजे और 1.00 बजे के बीच 5 मिनट की अवधि के विस्तार के साथ, यदि आवश्यक हो दिनांक 20.11.2026 को आयोजित की जाएगी।

4. ई–नीलामी के लिए प्रस्तावित संपत्ति का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य	ईएमडी
1	संपत्ति सख्या 10, परिमाप 1014 वर्ग मीटर, फेज–1, आईडीईबी इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांव माहूकेड़ा गंज, तहसील काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	रू. 58,00,000.00	रू. 5,80,000.00

5. ईएमडी का भुगतान डिमांड ड्राट/पे आर्डर के माध्यम से वसूली अधिकारी, डीआरटी–1, दिल्ली ए/सी टी.आर.सी. नं. 1404/2022 के पक्ष में पहचान की स्व–सत्यापित प्रति (वोटर आई कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट) जिसमें भविष्य के संचार के लिए पता होना चाहिए और पैन कार्ड की स्व–सत्यापित प्रति के साथ कार्यालय वसूली अधिकारी डीआरटी–1, दिल्ली के पास अधिकतम 18.11.2026 को सायं 5.00 से पहले पहुंच जानी चाहिए । इसके बाद प्राप्त ईएमडी पर विचार नहीं किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं के मामले में उक्त जमा राशि समायोजित की जाएगी। असफल बोली लगाने वाले को ई–नीलामी सेवा प्रदाता/बैंक/वित्तीय संस्थान से ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही बंद होने पर सीधे रजिस्ट्री, डीआरटी–1, दिल्ली से ईएमडी का रिटर्न लेना होगा।

6. ईएमडी वाले लिफाफे पर 'टी.आर.सी. नं. 1404/2022 लिखा होना चाहिए और प्रेषक के विवरण अर्थात पता, ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर आदि होने चाहिए।

7. इच्छुक बोलीदाताओं को ई–नीलामी में भाग लेने के लिए एक वैध लॉगिन आईडी और पासवर्ड, ईमेल पता और पैन नंबर रखने होंगे। लॉगिन आईडी और पासवर्ड के संबंध में विवरण के लिए कृपया मैसर्स सी–1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 68, तीसरी मंजिल, सेक्टर–44, गुरुग्राम –122003, हरियाणा, भारत हेल्पलाइन नंबर 0124–4302020/21/22/23, 7291981124 /25 /26, पी. धरानी कृष्णा, मोबाइल नं. 9948182222, वेबसाइट http://www.bankeauctions.com और ईमेल आईडी support@bankeautious.com;dharani.p@cfindia.com से संपर्क कर सकते हैं।

8. संभावित बोलीदाताओं को पोर्टल के साथ खुद को पंजीकृत करना होगा और मैसर्स सी–1 इंडिया प्रा. लि. से यूजर आईडी/पासवर्ड को पहले से प्राप्त करना होगा जो उपरोक्त ई–नीलामी में बोली लगाने के लिए अनिवार्य है।

9. संबंधित बैंक अधिकारियों का विवरण/हेल्पलाइन नंबर आदि निम्नानुसार हैं:

नाम और पदनाम	ईमेल और फोन नंबर
श्री संदेश मेंगे (उपाध्यक्ष)	8097221562 sandesh.menge@phenixarc.co.in

फीनिक्स एआरसी लिमिटेड, वाटेस टावर्स, 139/140/बी/1, तीसरी मंजिल, सहार रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे क्रॉसिंग, विले पार्ले पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र–400057, भारत

10. जो संपत्ति बेची जानी प्रस्तावित है उन संपत्तियों के संबंध मे प्रमाण पत्र देनदार हकदार हैं। संपत्ति को देनदारियां, यदि कोई हो, के साथ बेचा जाएगा।। घोषणा में दिखाई गई संपत्तियों की सीमा वसूली प्रमाणपत्र की अनुसूची के अनुसार है। वसूली अधिकारी किसी भी कारण से देय सीमा में किसी भी भिन्नता के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्तियों को 'जैसा है जहां है की शर्त पर बेचा जाएगा।

11. संभावित बोलीदाताओं द्वारा बिक्री की तारीख से पहले संपत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है जिसके लिए बैंक के उपरोक्त नामित अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

12. अधोहस्ताक्षरी को कोई भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने या स्वीकार करने का अधिकार है यदि वे अनुचित पाए जाते हैं या बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी को स्थगित कर सकते हैं।

13. असफल बोलीदाताओं का ईएमडी ऐसे बोलीदाताओं द्वारा पहचान प्रमाणपत्र जैसे पैन कार्ड, पासपोर्ट, वोटर कार्ड, वैध ड्राइविंग लाइसेंस या फोटो पहचान पत्र को दिखाकर असफल बोलीदाताओं को अपनी ईएमडी की वापसी सुनिश्चित करनी चाहिए और यदि उचित समय के भीतर प्राप्त नहीं होती है तो तुरत वसूली अधिकारी, डीआरटी–1, दिल्ली या बैंक से संपर्क करें।

14. बिक्री नीचे दिए गए अनुसूची में उल्लिखित उपर्युक्त नाम के सीडी की संपत्ति की होगी और उक्त संपत्ति से जुड़ी देनदारियां और दावे, जहां तक उनका पता लगाया गया है, प्रत्येक लॉट के खिलाफ अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।

15. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री के लिए रखा जाएगा। यदि संपत्ति के एक हिस्से की बिक्री से वसूली की जाने वाली राशि पूरी हो जाती है, तो शेष के संबंध में बिक्री तत्काल बंद कर दी जाएगी। उस स्थिति में भी बिक्री भी बंद कर दी जाएगी यदि, किसी भी लॉट के मामले में बिक्री से पहले, उक्त प्रमाण पत्र में उल्लिखित बकाया राशि, ब्याज लागत (बिक्री की लागत सहित) बिक्री का संचालन करने वाले अधिकारी को प्रस्तुत किए जाते हैं या उसके भुगतान के लिए प्रमाण दिया जाता है कि ऐसी प्रमाण पत्र, ब्याज और लागत का भुगतान अधोहस्ताक्षरी को किया गया है।

16. कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति, जिसे बिक्री के संबंध में कोई कर्तव्य निभाना है, हालांकि, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बोली लगाता है, संपत्ति का अधिग्रहण करता है या अधिग्रहण करने का प्रयास करता है।

17. बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की दूसरी अनुसूची और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्धारित शर्तों के अधीन होगी और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी: संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की जानकारी के अनुसार बताए गए हैं, लेकिन अधोहस्ताक्षरी इस घोषणा में किसी त्रुटि, गलत बयान या चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

18. जिस राशि से बोलियों को बढ़ाया जाना है, वह रु. 1,00,000.00 (एक लाख रुपए) के गुणकों में होगी। बोली की राशि या बोली लगाने वाले के बारे में किसी भी विवाद की स्थिति में, लॉट को तुरत फिर से नीलामी के लिए रखा जाएगा

19. सफल/उच्चतम बोली लगाने वाले को किसी भी लॉट का खरीदार घोषित किया जाएगा, बशर्ते कि उसके द्वारा बोली लगाई गई राशि आरक्षित मूल्य से कम न हो। यह अधोहस्ताक्षरी के विवेक पर होगा कि जब प्रस्तावित कीमत इतनी स्पष्ट रूप से अपर्याप्त प्रतीत होती है कि ऐसा करना अनुचित हो जाता है तो उच्चतम बोली की स्वीकृति को अस्वीकार कर दिया जाए।

20. सफल/उच्चतम बोली लगाने वाले को वसूली अधिकारी, डीआरटी–1, दिल्ली, ए/सी टी.आर.सी. नं. 1404/2022 के पक्ष में बिक्री की आय के 25 प्रतिशत के लिए डीडी/पे आर्डर तैयार करना होगा। यह राशि ई–नीलामी बंद होने के 24 घंटों के भीतर और बयाना राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद वसूली अधिकारी के कार्यालय में भेजने/जमा करने की अवधि ई–नीलामी बंद होने के बाद 3 दिनों के भीतर पहुंचने पहुंच जानी चाहिए अन्यथा बयाना राशि (ईएमडी) जब्त कर ली जाएगी।

21. सफल/उच्चतम बोली लगाने वाला, बिक्री की रकम का बचा हुआ 75 प्रतिशत हिस्सा, डिमांड ड्राफ्ट/पे ऑर्डर के जरिए वसूली अधिकारी, डीआरटी–1, दिल्ली, ए/सी टीआरसी नं. 1404/2022 के पक्ष मे जमा करेगा। यह रकम वसूली अधिकारी, डीआरटी–1 के पास, प्रॉपर्टी की बिक्री की तारीख से 15वें दिन या उससे पहले जमा करनी होगी (बिक्री का दिन छोड़कर)। अगर 15वां दिन रविवार या कोई और छुट्टी का दिन हो, तो 15वें दिन के बाद आने वाले पहले कामकाजी दिन पर यह रकम जमा करनी होगी। इसके साथ ही, रजिस्ट्रार, डीआरटी–1 दिल्ली के पक्ष में पाउंडेज फीस भी जमा करनी होगी, जो 1,000 रुपये तक की रकम पर 2 प्रतिशत और 1,000 रुपये से ज्यादा की कुल रकम पर 1 प्रतिशत की दर से होगी। (अगर 75 प्रतिशत की बची हुई रकम डाक से जमा की जाती है, तो उसे ऊपर बताए गए तरीके से वसूली अधिकारी तक पहुँच जाना चाहिए।

22. अगर तय समय के अंदर भुगतान करने में कोई चूक होती है, तो बिक्री की नई घोषणा जारी करने के बाद, प्रॉपर्टी को दोबारा बेचा जाएगा। बिक्री के खर्चों को काटने के बाद, जमा की गई रकम को अधोहस्तारी के उचित निर्णय के अनुसार सरकार के पक्ष में जब्त किया जा सकता है। ऐसा होने पर, भुगतान में चूक करने वाला खरीदार, प्रॉपर्टी पर या उस रकम के किसी भी हिस्से पर अपना सारा दावा खो देगा, जिस रकम में प्रॉपर्टी को बाद में बेचा जा सकता है।

संपत्ति की अनुसूची

लॉट सं.	रहे–स्वामियों के नाम के साथ बेची जाने वाली सम्पत्ति का विवरण जाहं सम्पत्ति चूककर्ताओं और सह–स्वामियों के रूप में अन्य व्यक्तियों से संबंधित हैः	सम्पत्ति या इसके किसी भाग पर मूल्यांकित राजस्व	सम्पत्ति पर अधिभार बकाया, यदि कोई हो, का विवरण	दावे, यदि कोई हो, जो सम्पत्ति के साथ जुड़े हैं और इसके प्रकार एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरण
1	संपत्ति संख्या 10, परिमाप 1014 वर्ग मीटर, फेज–1, आईडीईबी इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांव माहूकेड़ा गंज, तहसील काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	कोई सूचना प्राप्त नहीं है		

दिनांक 21.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर के साथ जारी किया गया।
मुद्रा
हस्ता./–
रविन्दर कुमार तोमर
वसूली अधिकारी–I,
ऋण वसूली अधिकरण–I, दिल्ली

भाजपा ने दिनेश आर्य को घोषित किया उत्तराखंड से राज्यसभा प्रत्याशी



देहरादून,(वीअ)। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए उत्तराखंड से पार्टी के प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी ने नैनीताल निवासी दिनेश आर्य को राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उनके नाम की घोषणा के साथ ही प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। दिनेश आर्य पूर्व में भाजपा नैनीताल जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और वर्तमान में भी पार्टी से जुड़े दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पूर्व पीआरओ भी रह चुके हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने नैनीताल विधानसभा सीट से भाजपा टिकट के लिए दावेदारी की थी। हालांकि पार्टी ने तत्कालीन कांग्रेस नेता सरिता आर्य को प्रत्याशी बनाया। इसके बाद दिनेश आर्य ने इस्तीफा दे दिया था। बाद में पार्टी नेतृत्व के स्तर पर हुई मान-मनौव्वल के बाद उन्हें सरकार में जिम्मेदारी दी गई। अब करीब चार वर्ष बाद भाजपा ने उन्हें विधानसभा की राजनीति से आगे बढ़ाते हुए सीधे राज्यसभा के उच्च सदन की राह दिखाई है। बताया गया है कि आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए प्रदेश भाजपा की ओर से संभावित दावेदारों के 15 नाम केंद्रीय नेतृत्व को भेजे गए थे। केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों पर विचार के बाद दिनेश आर्य के नाम पर मुहर लगाई। दिनेश आर्य को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने के फैसले को उत्तराखंड की राजनीति में सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली हुई थी। इसके बाद कांग्रेस की ओर से भाजपा पर दलित विरोधी होने के आरोप लगाए गए थे। ऐसे राजनीतिक माहौल के बीच भाजपा द्वारा दिनेश आर्य को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया जाना पार्टी की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि पार्टी की ओर से उम्मीदवार चयन को लेकर आधिकारिक तौर पर किसी राजनीतिक समीकरण को कारण नहीं बताया गया है। दिनेश आर्य के नाम की घोषणा के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है।

ज्वैलरी शॉप में चांदी पर हाथ साफ,कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस ने दोनों चोरों को धर-दबोचा

अल्मोड़ा,(वीअ)। अल्मोड़ा जनपद पुलिस को दो चोरी के मामलों में सफलता प्राप्त हुयी है।हनुमंत सावंत, निवासी जौहरी बाजार, अल्मोड़ा द्वारा कोतवाली अल्मोड़ा में तहरीर दी गई कि दिनांक 30.09.2026 की रात्रि में उनकी ज्वैलरी की दुकान रूद्रा इंटरप्राइजेज, जौहरी बाजार से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पुरानी चैनपट्टी, शुद्ध चांदी तथा तांबे व जस्ते के टुकड़े आदि चोरी कर लिए गए हैं।

वहीं दूसरा मामले में दिनांक 02.10.2026 को हरीश चन्द्र जोशी, की दुकान से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सरसों के तेल के 07 टिन एवं गोदरेज कंपनी का एक फ्रिज चोरी कर लिया गया है। गठित पुलिस टीम द्वारा ठोस सुरागरसी-पतारसी एवं सर्विलांस



की सहायता से संदिग्धों को लोकेशन ट्रेस करते हुए दिनांक 02.10.2026 को दोनों चोरी की घटनाओं में संलिप्त दो अभियुक्तों को अल्मोड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर दोनों घटनाओं से संबंधित चोरी की शत-प्रतिशत सामग्री बरामद की गई। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के उपरांत संबंधित अभियोगों में धारा 317(2) भारतीय न्याय संहिता की वृद्धि कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई।विनोद सार्की, उम्र लगभग 21 वर्ष, पुत्र डिल्ली सार्की, निवासी ग्राम लालू, थाना खुलालू, जिला कालीकोट, नेपाल। नेत्र सार्की, उम्र लगभग 20 वर्ष, पुत्र जीता सार्की, निवासी ग्राम लालू, थाना खलालू, जिला कालीकोट, नेपाल से 482 ग्राम शुद्ध चांदी, 497 ग्राम चांदी से निर्मित आभूषण (01 माला, 01 लक्ष्मी की मूर्ति, 20 पायल, 03 धागुले, 01 छल्ला, 01 छत्र, 06 बिछुए एवं सफेद धातु का एक टूटा पेंडल), चांदी की सिल्ली पर लगने वाली 01 मुहर, एक पारदर्शी पत्री में तांबा, 148 ग्राम कैडमियम एवं जस्ते के टुकड़े।सरसों के तेल के 07 टिन,गोदरेज कंपनी का 01 फ्रिज की शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली है।

वनबसा-टनकपुर क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

देहरादून/चम्पावत,,(वीअ)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को जनपद चम्पावत के बनबसा में क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ ही स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में बनबसा और टनकपुर क्षेत्र के लिए चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में श्रेणी-1 'ख' के पट्टे एवं तराई भाभर स्टेट के पट्टे की भूमि के पट्टेदारों के विनियमितीकरण की कार्यवाही यथाशीघ्र की जाएगी। इससे संबंधित पट्टेदारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शारदा कॉरिडोर एवं कैनाल कॉरिडोर के अंतर्गत बनबसा एवं टनकपुर के प्राचीन एवं पौराणिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं विस्तारीकरण किया जाएगा। इससे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, टनकपुर के विस्तारीकरण के लिए 2.01 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। इससे संस्थान के विस्तार तथा विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सुविधाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने बनबसा एवं टनकपुर शहरी निकायों के अंतर्गत प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सरकारी भूमि पर लंबे समय से कच्चे एवं अस्थायी भवनों में निवास कर रहे नागरिकों के लिए स्थायी एवं पक्के आवास उपलब्ध कराने की घोषणा की। इससे लंबे समय से अस्थायी आवासों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधा मिल सकेगी।

श्री कैंची धाम मंदिर में एक दिन में तीस हजार कार, सत्तर हजार का काफिला, यह आस्था या कुछ और?

★यह नीब करोरी महाराज की धार्मिक भावनाओं का असर या अंध विश्वास कहीं हम एक बड़े हादसे को आमंत्रित तो नहीं कर रहे हैं?

अल्मोड़ा,(वीअ)। देवभूमि उत्तराखंड के नैनीताल जनपद की श्री कैंची धाम तहसील में स्थित विश्व प्रसिद्ध नीब करोरी महाराज का कैंची धाम मंदिर आज अव्यवस्था व चुनौती का शिकार बन गया है। वीक एंड में हजारों कारों व भक्तों का काफिला नैनीताल अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात व्यवस्था नियंत्रण व संचालन हेतु पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन के लिए चुनौती ही नहीं बल्कि एक समस्या बन उभर रहा है।धार्मिक भावनाओं से जुड़ा सैलानी, पर्यटक क्षेत्र वासियों के लिए अब.परेशानी का सबक है। एक तरफ जहां दो घंटे का सफर बारह बारह घंटों का हो गया है। घंटों का लम्बा जाम अब बर्दाश्त से परे हो गया है। लोगों की बसें छूटना, रेल छूटना आम बात हो गया है, जिसके चलते परीक्षा छूट जाना समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलना एम्बुलेंस जाम में फंसे रहना आम बात है। वहीं दूसरी तरफ लूट-खसोट का सिलसिला भी जारी है दो दो हजार रुपए रोज के कमरे छः छः हजार में मिलना, खान पान की चीजों के दामों मनमानी वसूली ?यह आस्था धार्मिक भावनाओं का खुला मजाक हो गया है विकास के नाम पर विनाश । पिछले सप्ताह लम्बे वीक एंड चलते एक दिन में ही तीस हजार गाडियों का एक हजार का आंकड़ा छूती भक्तजनों व पर्यटकों की भीड़ को संभालना पुलिस के लिए भी समस्या बनता नजर आया। यातायात एक तरफा करने का प्लान भी बना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल मंजू नाथ टी सी यातायात नियंत्रण हेतु खुद सड़क पर दिखाई दिये। अपील ठ इंसान दर्शन करने आइये, गाड़ियों को दर्शन मत कराइये एक बात उभर कर सामने आ रही है यह हनुमान अंश फिल्म का असर है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पहले कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ मिल गया था और अब वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN: L65110TN2014PLC097792, पंजीकृत कार्यालयः केआरएम टॉवर्स, 8वां तल, हरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई–600031, फोनः +91 44 45644000 फैक्सः +91 44 45644 022

IDFC FIRST Bank

सार्वजनिक सूचना
सोने की नीलामी सह आमंत्रण सूचना

एतद्द्वारा नीचे वर्णित कर्जदारों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त कर्जदारों ने सोने के गहने गिरवी रखकर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (बैंक) से ऋण सुविधाएँ ली हैं और बार–बार याद दिलाने और नोटिस भेजने के बावजूद कर्जदार इस सुविधा के तहत तय समय सीमा के भीतर बकाया राशि चुकाने में विफल रहे हैं। तदनुसार, बैंक अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए 12 नवम्बर, 2026/13 नवम्बर, 2026/16 नवम्बर, 2026 को गिरवी रखे गए सोने के गहनों की सार्वजनिक नीलामी करेगा। कर्जदारों को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि निरीक्षण/बोली की तारीख से पहले, लागू संबंधित ब्याज, शुल्क और खर्चों के साथ पूरी बकाया राशि चुकाने का यह अंतिम अवसर है, ऐसा न करने पर, नियामक निकायों द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, गिरवी रखे गए सोने के गहने नीलामी के माध्यम से बेच दिए जाएँगे।

लोन अकाउंट नंबर	कर्ज़दार का नाम	शाखा का नाम
181191953	अमर गुप्ता	रूड़की उत्तराखंड
179525861	आतिक मोहम्मद	रूड़की उत्तराखंड
182008218	अमर गुप्ता	रूड़की उत्तराखंड
188496029	अमजद युसुफ	रूड़की उत्तराखंड

अगर नीलामी से कोई अतिरिक्त रकम मिलती है, तो उसे संबंधित कर्जदार को वापस कर दिया जाएगा; और अगर नीलामी के बाद कोई कमी या घाटा होता है, तो बाकी रकम कर्जदार से उचित कानूनी कार्रवाई के ज़रिए वसूल की जाएगी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास यह अधिकार है कि वह बिना किसी पहले से दी गई सूचना के, किसी भी अकाउंट को नीलामी से हटा सकता है। इसके अलावा, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास यह अधिकार सुरक्षित है कि वह अपनी मर्ज़ी से, बिना किसी पहले से दी गई सूचना के, नीलामी के शेड्यूल में बदलाव कर सकता है या उसे बाद की किसी तारीख के लिए टाल सकता है। नीलामी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पैनल में शामिल नीलामी सेवा देने वाली कंपनी मैसर्स श्रीराम ऑटो माल इंडिया लि. के ज़रिए प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक भौतिक रूप से आयोजित की जाएगी। अगर ग्राहक की मृत्यु हो गई है, तो नीलामी से जुड़ी सभी शर्तें उनके नॉमिनी/कानूनी वारिस पर लागू होंगी।
नीलामी बिक्री के नियम और शर्तें:
1) संबंधित सोने के गहनों की बिक्री "जैसा है, जहाँ है", "जैसा है, वैसा है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर होगी।
2) बोली लगाने के इच्छुक व्यक्तियों को बैंक के अधिकृत नीलामी सेवा प्रदाता के पास